



# Hindi Urdu for Health

*The Practice of Medicine in Hindi and Urdu*

[repositories.lib.utexas.edu/handle/2152/64261](https://repositories.lib.utexas.edu/handle/2152/64261)

---

Hindi Urdu Flagship | South Asia Institute | Department of Asian Studies | The University of Texas at Austin

---

## Unani Practice

Unani (also spelt Yunani) refers to the tradition of Graeco-Arabic medicine. Like Ayurveda, this also a comprehensive tradition of medicine that goes back of Hippocrates, but owes a lot to the wisdom and experience of Arabic and Persian physicians. India remains one of the most prominent countries encouraging research and education in the field of Unani medicine. Listening to the Unani video clips will make the students aware of not only the concepts used in Unani medicine, but also the integral role of faith in healing.

---

## COMPARING UNANI & ALLOPATHY

Video URI: [hdl.handle.net/2152/65724](https://hdl.handle.net/2152/65724)

### Contents:

Hindi Transcription .....	2
Hindi Vocabulary .....	4
Hindi Questions .....	6
Urdu Transcription.....	8
Urdu Vocabulary .....	10
Urdu Question.....	12

## Hindi Transcription

तो ऐलौपैथी के कुछ चीजें आप इस्तेमाल करते हैं, जैसे बी.पी.हो गया, या स्टेटसस्कोप हो गया, इस तरह की चीजें करते हैं या सिर्फ नब्ज देख कर ही पता करते हैं?

नहीं, स्टेटसस्कोप लेते हैं तरजीह में, लेकिन दवाइयां यही देते हैं देसी... और अगर देखा जाये तो ये नाम अलग-अलग लोगों ने रख छोड़े हैं और दवाइयां ये ही सब जड़ी-बूटियां हैं... मसलन नक्सवोमिका है, कुचला, उसका जोहर निकला लिया, और जो है ऐलौपैथिक में... और हमारी अहज राकी नाम है जिसका, ऐलोवेरी कुचला, आयुर्वेदक वाले इस्तेमाल करते हैं... अच्छा, होम्योपैथी में जो है, उसमें भी जो है वो यही मर्ज से इलाज करते हैं, ये ही जड़ी-बूटियां जो हैं, इसका एक्सट्रैक्ट वगैरह लेते हैं, बहुत हल्की मकदार में उसे इस्तेमाल करते हैं... और अंदर अगर जो है रजिस्ट्रेंट सिस्टम जो है, तो वो काम करता है... उसे जो है, परसूएट जो है, उसे जो है एक्सलरेट करते हैं... और इस तरीके से जो है उसमें शिफा होती है... और ऐलौपैथिक में जो है एंटी उसका है, जैसे यूनानी में भी एंटी उसका जो है असर... और जो ये है, यूनानी जो है यूनान से आई अरबों में, अरबों ने जो है उसको, वहमिया जो वो थे, वो सब अलग किया, उसके बाद ये जो होते-होते जो है, ये जहां उनकी हुकूमतें थी वहां पे इसका ईलाज हुआ... और वो सब होके, वो लोग जब यहां हिन्दुस्तान में आये, तो यहां से इसका ईलाज आया है... और जहां असल थी, वहां, उनमें भी असल खत्म हो गई ईलाज... और यहां पर जो है तजुर्बा, अंग्रेज जो लोग आये, उन्होंने अपनी ऐलौपैथी चलाई, कोशिश की... तो यहां, नहीं, लेकिन ये यूनानी अपने फन के ऊपर जिंदा रही... जिसे फायदा हुआ वो आया, और जो है, तो इस तरीके से... तो ऐसे ही यूनानी में भी जो है एंटी उसके, ईलाज है, उसमें भी...

जी...

जैसे उसमें कुछ ठंडे होते हैं, कुछ गरम होते हैं, ठंडे की उसमें गरम दवायें, गरम की ठंडी दवायें... ऐसी बहुत सारी हैं हमारी, इसरौल है, ये, हमारी यूनानी उसमें, हकीम अजमल खां ने जो है इसका, इसकी ईजाद की थी... वो जब वहां पे गये, नार्थ में, वहां पर देखा हाथी जो पागल हो जाते थे, वो भिगो के इसका, रस पिलाते थे और वो फिर सही हो जाते थे... तो उन्होंने उससे जो है, ये निकाला, उसे हब्बे दवा शिफा बनाई इसमें... जिसमें ये है हमवजन, मिरसिया, काली मिर्च जिसे कहते हैं, और अंग्रेजी में पीपर, और असरौल बराबर की मिरदार में ले के इसे इस्तेमाल किया... और ये जो है इस, इसका जो है निसिया, उसमें जो ज्यादा ब्लड प्रेशर हो जाता है उसके लिये किया... और जो ज्यादा तायदात में जुनून, मैनिया जिसे अंग्रेजी में कहते हैं, हमारी यूनानी मान्यता है, तो ये हुआ... असल जो है यूनानी ही थी, यूनानी का तुर्जुमा जो है, उन्होंने, अंग्रेजों ने भी उसमें किया और हत्ता के बहुत से नाम तो उन्होंने, वो ही नाम हैं जो उस, उनके थे... फिर वहां से उन्होंने जो है अपनी ज़बान के अंदर किया और फिर तर्जुमा करके फिर उसमें तरक्की की... अब यहां पे तो आदमी पहले दूसरी ज़बान में सीखता है फिर सोचता है इतनी उम्र का हिस्सा जाहिल हो जाता है...

जी...

इस तरीके से जो है, लेकिन जो उनकी अपनी ज़बान है, जब उसमें हो गया, आगे बढ़ते रहे और जो पीछे आने वाले थे वो पीछे ही रहे...

तरक्की की अगर हम बात करें... आप, आप जो कह रहे हैं कि ऐलौपैथी जो है यूनानी...

ऐलौपैथी...

जो अंग्रेजी दवाओं का जो सिलसिला है...

तो उसमें जो है...

कितना रहा है, रिसर्च हो रही है?

उसमें जो है, उसकी वजह ये है कि हर चीज का जो है, ये जो है उन्होंने स्पेशलाइजेशन हरेक चीज में कर दिया है... इस वजह से... लेकिन उसमें जो है वो, क्या कहते हैं, उसका एक्सट्रैक्ट ले लेते हैं, जो ज्यादा काम करने वाला है एक्सट्रैक्ट, उसका वो ले लेते हैं, बाकी उसमें छोड़ देते हैं... उस एक्सट्रैक्ट के अंदर सब चीज शामिल होती है... उसमें एल्कलाईट जो होते हैं सारे, तो, लेकिन उसी के अंदर जो हम कोल्ड ड्रग्स करते हैं, तो उसमें जो उसके एल्कलाईड, जो पूरी ड्रग है, उसके अंदर, नैशनल ड्रग में उसका साईड इफैक्ट जो है, उसकी दवा छुपी होती है... थोड़ा-थोड़ा, आहिस्ता करता है लेकिन वो सही हो जाता है लेकिन उसमें जो है, वो फौरी तौर पर तो करता है लेकिन बाद में जो है, वो दूसरी चीजों में नुकसान करता है... मतलब एक दवा है, अंजुबार है, अंजुबार होती है, हम जो है फौरी उसको मद्देनज़र रखते हुये, जिसको कहते हैं, जिसका काम है कब्ज करना, तो आंतों पे ये असर करेगी, मैदे पे, दिमाग पे इसका क्या असर होगा, गुर्दे पे क्या, पूरी चीज वो नहीं है... अब यहां, लेकिन स्पेशलिस्ट में क्या होता है, वो ही चीज में वो कहते हैं, वैसे तो सब सीखते हैं, लेकिन एक ही चीज में महारथ हासिल कर लेते हैं, वो दूसरी चीज को वो मद्देनज़र नहीं रखते... फौरी फायदा देखते हैं, यहां पूरा जो है, जनरल बाँडी का रहता है, यूनानी के अंदर काम किया जाता है...

तो ये फर्क एक, एक बहुत बड़ा फर्क है कि आपकी दवाईयां जो हैं वो जड़ से ही चीजों को निकाल रही हैं...

जो नैचुरल है, इसमें आर्टिफिशियल का मुकाबला कर ही नहीं सकती वो... जो नेचर ने हमें दिया हुआ है वो...

अ, ये बतायें कि आपकी इतने सालों की प्रैक्टिस है, आप, किस्म-किस्म के मरीज आपके पास आते होंगे, कोई ऐसा दिलचस्प वाक्या, या वाक्या कोई...

हूं...

जो आपके जहन में हो, कि बहुत ही बुरी हालत में कोई आया हो और आपने उसे ठीक किया हो...

हूं...

और अब आपका वो शुक्रिया हर मौके पर अदा करता हो... ऐसा कुछ याद है?

हां...

कुछ याद पड़ता है?

एक ऐसा मरीज यहां पे था, मतलब उसको पथरी थी गुर्दे की थी, अच्छा सफ़्दरजंग हॉस्पिटल में था... उन्होंने, उनमें बैड खाली नहीं थे, उन्होंने दो महीने का टाईम दिया था उसे... किडनी की पथरी थी, गुर्दे की... तो हमारे पास आया, चलो हम यहां देख लें उसको... हमने जो है जड़ी-बूटियों से उसका ईलाज किया... उसमें जो है पथरी तो होता है यूनान मुफ़्तरे एहसास और उसके अंदर पुराने में कुलथी है और इस, ये जो याहूदी है, संगे सहीमारी है, इस किस्म की, इसका ईलाज किया... उसके बाद पंद्रह दिन में, पंद्रह-बीस दिन के अंदर, जब वो यहां पे दुबारा उन्होंने एक्सरे कराया तो डॉक्टरों ने मुझसे कहा कि बिल्कुल साफ हो चुकी थी पथरी...

एक स्ती नहीं...

हैं... एक स्ती नहीं, बिल्कुल साफ, उन्होंने तोड़ के निकाल के, पूरा ऑपरेशन, एक तरफ तोड़ने की दवा देते हैं, एक तरफ डायबटीक, पेशाब लाने वाली दवा... तो उससे जो है रेज़ा-रेज़ा हो के निकल जाती है... तो इसमें जितनी मेहनत ऐलौपैथी से ज्यादा यूनानी में की जायेगी, तो इसका रिजल्ट सौ फीसद होगा... और ये बहुत अर्से से तजुर्बात होती आई है...

## Hindi Vocabulary

Pulse	नब्ज़
Preference, choice	तरजीह
Medicines	दवाइयां
	देसी
Herbs, plants	जड़ी-बूटियां
	कुचला
	जोहर
	अहज राकी
	ऐलोवेरी कुचला
Ayurvedic	आयुर्वेदिक
Use	इस्तेमाल
	मर्ज
Cure, remedy, treatment	इलाज
	हल्की मकदार में
	तजुर्बा
	यूनानी अपने फन के ऊपर जिंदा रही
Advantage, benefit, gain, profit, use	फायदा
	कुछ ठंडे होते हैं
	कुछ गरम होते हैं

	ठंडे की उसमें गरम दवायें
	इसरौल
Unani	यूनानी
	ईजाद
Elephant became crazy	हाथी जो पागल हो जाते थे
	भिगो के
Juice	रस
	हब्बे दवा शिफा
	हमवजन
	मिर्सिया
Black pepper	काली मिर्च
	असरौल
	बराबर की मिरदार में
Use	इस्तेमाल
	निसिया
	तायदात
	जुनून
	यूनानी मान्यता
	तुर्जमा
	हत्ता
Series of English medications	अंग्रेजी दवाओं का जो सिलसिला है
Little, slightly	थोड़ा-थोड़ा
Slow	आहिस्ता
Becomes right	सही हो जाता है
	फौरी तौर पर
Loss	नुकसान
	अंजुबार
	कब्ज
	आंतों पे
	मैदे पे
	दिमाग पे
	गुदें पे

Expertise	महारथ
	मद्देनज़र
Root	जड़ से
Patient	मरीज
	पथरी
Kidney	गुदें की
With herbs	जड़ी-बूटियों से
	यूनान मुफ्तरे एहसास
	कुलथी
	याहूदी
	संगे सहीमारी
	एक स्ती नहीं
Quite clean, clear	बिल्कुल साफ
	तोड़ने की दवा
	पेशाब लाने वाली दवा
	रेज़ा-रेज़ा हो के
Hard work	मेहनत
One hundred percent	सौ फीसद
	असें से तज़ुर्बात

## Hindi Questions

एलोपैथी और यूनानी दवाओं के नाम अलग होते हैं पर हकीमों का मानना है कि वो एक ही जड़ी बूटियों से बनाई जाती हैं। नीचे दी गई दवायें कौन सी ऐसी हैं?

- 1 नक्सवोमिका
- 2 अहज राकी
- 3 सभी
- 4 इसरौल

**अंग्रेज़ी दवाओं में हर चीज़ों में स्पेशलाईज़ेशन करने से क्या हो गया है?**

- 1 मर्ज़ जड़ से ठीक हो जाता है
- 2 दवाओं के साइडइफ़ैक्ट नहीं होते।
- 3 दूसरी चीज़ों को वो मदेनज़र नहीं रखते।
- 4 सब बीमारियों को पहचान लेते हैं।

**पथरी के इलाज में “एक रत्ती नहीं” का इस्तेमाल किया गया है। इसका क्या मतलब है?**

- 1 थोड़ा सा रह जाना
- 2 बहुत रह जाना
- 3 बिल्कुल साफ़ हो जाना
- 4 पूरा रह जाना

## Urdu Transcription

تو ایلوپیتھی کے کچھ چیزیں آپ استعمال کرتے ہیں، جیسے بی۔ پی۔ ہو گیا، یا اسٹیتھوسکوپ ہو گیا، اس طرح کی چیزیں کرتے ہیں یا صرف نبض دیکھ کر ہی پتہ کرتے ہیں؟

نہیں، اسٹیتھوسکوپ لیتے ہیں ترجیح میں، لیکن دوائیاں یہی دیتے ہیں دیسی۔۔۔ اور اگر دیکھا جائے تو یہ سب نام الگ الگ لوگوں نے رکھ چھوڑے ہیں اور دوائیاں یہ ہی سب جڑی بوٹی ہے۔۔۔ مثلاً نکسوامکا ہے، کچلا، اس کا جوہر نکال لیا، اور جو ہے ایلوپیتھک میں۔۔۔ اور ہمارے یہاں ازراقی نام ہے اس کا، ایورویڈہ میں کچلا، ایرویدک والے استعمال کرتے ہیں۔۔۔ اچھا، ہم ہومیوپیتھی کے علم میں جو ہے، اس میں بھی یہ وہ اس مرض سے علاج کرتے ہیں، یہ ہی دوائیاں، جڑی بوٹیاں ہوتی ہیں، اس کا ایکسٹریکٹ جو۔۔۔ وغیرہ میں لیتے ہیں، بہت ہلکی مقدار میں اسے استعمال کرتے ہیں۔۔۔ اور اندر اگر جو ہے رزسٹینس سسٹم جو ہے، تو وہ کام کرتا ہے۔۔۔ اسے جو ہے، پرسونٹیڈ اسے جو ہے، اسے جو ہے ایکسٹریکٹ کرتے ہیں۔۔۔ اور اس طریقے سے جو ہے اس میں شفی ہوتی ہے۔۔۔ اور ایلوپیتھک میں جو ہے اینٹی اس کا ہے، ایسے یونانی میں بھی اینٹی اس کا ہے علاج۔۔۔ اور جو اصل جو ہے، یہ یونانی جو ہے یونان سے آئی عربوں میں، عربوں نے اسے جو ہے ان کے جو، اہمیا تو وہ جو تھے، وہ سب الگ کیا، اس کے بعد یہ ہوتے ہوتے جو ہے، یہ جہاں ان کی حکومتیں تھیں وہاں پہ اس کا علاج ہوا۔۔۔ اور وہ سب ہو کے، یہاں پہ جب ہندوستان میں وہ لوگ آئے، تو یہاں سے اس کا علاج رائج ہو گیا۔۔۔ اور جہاں وہ جو اصل تھی، ان میں بھی اصل ختم ہو گیا علاج۔۔۔ اور یہاں پہ جو تجربہ، انگریز جو لوگ آئے، انہوں نے اپنی ایلوپیتھی چلائی، کوشش کی۔۔۔ تو یہاں، نہیں، جو ہے، لیکن یہ یونانی اپنے فن کے اوپر زندہ رہی۔۔۔ جسے فائدہ ہوا وہ آیا، اور جو ہے، اس طریقے سے۔۔۔ تو ایسے یونانی میں بھی جو ہے انٹی اس کے، ضد علاج ہیں، بھئی، ضد ہے اس میں بھی۔۔۔

جی۔۔۔

جیسے جو مرض کچھ ٹھنڈے ہوتے ہیں، کچھ گرم ہوتے ہیں، ٹھنڈے کی اس میں گرم دوائیں ہیں، گرم کی ٹھنڈی دوائیں۔۔۔ ایسی ہی بہت ساری ہیں ہماری، اسرول ہے، یہ، ہماری یونانی اس میں، حکیم اجل خان نے جو ہے اس کا، اس کی ایجاد کی تھی۔۔۔ وہ جب وہاں ہپ گئے، نارتھ میں، وہاں پر دیکھا ہاتھی جو پاگل ہو جاتے تھے تو انہیں اس میں بھگو کے اس کا، رس پلاتے تھے اور وہ پھر صحیح ہو جاتے تھے۔۔۔ تو انہوں نے اس سے جو ہے، یہ نکالا، اسے حب دوا شفی بنائی اس میں۔۔۔ جس میں یہ ہے بہموزن، مرسیا، کالی مرچ جسے کہتے ہیں اور انگریزی میں پیپر، اور اسرول برابر کی مقدار میں لے کے اسے استعمال کیا۔۔۔ اور یہ جو ہے اس، اس کا جو ہے نسیا، اس میں جو زیادہ بلڈ پریشر ہو جاتا ہے اس کے لئے کیا۔۔۔ اور جو زیادہ تعداد میں جنون، مینیا جسے انگریزی میں کہتے ہیں، ہماری یونانی مانییا ہے، تو یہ ہوا۔۔۔ اصل جو ہے یونانی ہی تھی، یونانی ہی کا ترجمہ جو ہے، انہوں نے، انگریزوں نے بھی اس میں کیا اور حتیٰ کہ بہت سے نام تو انہوں نے، وہ ہی نام ہیں جو اس، ان کے تھے۔۔۔ پھر وہاں سے انہوں نے جو ہے اپنی زبان کے اندر کیا اور پھر ترجمہ کر کے پھر اس میں، جو ہے، ترقی کی۔۔۔ اب یہاں پہ تو آدمی دوسری زبان میں جو آدمی پہلے سیکھتا ہے پھر ہوتا ہے اتنی عمر کا حصہ غائب ہو جاتا ہے۔۔۔

جی۔۔۔

اس طریقے سے جو ہے، لیکن جو ان کی اپنی زبان ہے، جب اس میں ہو گیا، آگے بڑھتے رہے اور جو پیچھے آنے والے تھے وہ پیچھے ہی رہے۔۔۔

ترقی کی اگر ہم بات کریں۔۔۔ تو آپ، آپ جو کہ رہے ہیں کہ ایلوپیتھی جو ہی یونانی۔۔۔



ایلوپیتھی۔۔۔

جو انگریزی دواؤں کا جو سلسلہ ہے۔۔۔

تو اس میں جو ہے۔۔۔

کتنا رہا ہے، ریسرچ ہو رہی ہے؟

اس میں جو ہے، اس کی وجہ یہ ہے کہ ہر چیز کا جو ہے، یہ جو ہے انہوں نے اسپیشلائزیشن ہر ایک میں کر دیا ہے۔۔۔ اس وجہ سے۔۔۔ لیکن اس میں جو ہے وہ، کیا کہتے ہیں، اس کا ایکسٹریکٹ لے لیتے ہیں، جو زیادہ کام کرنے والا ہے ایکسٹریکٹ، اس کا وہ لے لیتے ہیں، باقی اس میں چھوڑ دیتے ہیں۔۔۔ کروڈ ڈرگز کے اندر سب چیز شامل ہوتی ہے۔۔۔ اس میں ایلکلائٹ جو ہوتے ہیں سارے، تو لیکن اسی کے اندر جو ہم کروڈ ڈرگز کرتے ہیں، تو اس میں جو اس کے الکلایٹ، جو پوری ڈرگ ہے، اس کے اندر، نیچرل ڈرگ میں اس کا سائڈ افیکٹ جو ہے، اس کی دوا چھپی ہوتی ہے۔۔۔ تھوڑا تھوڑا، آہستہ کرتا ہے لیکن وہ صحیح ہو جاتا ہے لیکن اس میں جو ہے، وہ فوری طور پہ تو کرتا ہے لیکن بعد میں جو دوسری چیزوں میں وہ نقصان کرتا ہے۔۔۔ مثلاً ایک دوا ہے، انجبار ہے، انجبار ہوتی ہے، ہم جو ہے تو پوری اس کو مد نظر رکھتے ہوئے، جس کو کہتے ہیں، جس کا کام ہے قبض کرنا، تو آنتوں پہ یہ اثر کریگی، میدے پہ، دماغ پہ اس کا اثر ہوگا، گردے پہ کیا، پوری چیز وہ نہیں ہے۔۔۔ اب یہاں، لیکن اسپیشلسٹ میں کیا ہوتا ہے، وہ ہی چیز میں وہ کہتے ہیں، ویسے تو سب سیکھتے ہیں، لیکن ایک ہی چیز میں مہارت حاصل کر لیتے ہیں، وہ دوسری چیز کو وہ مد نظر ہی رکھتے ہیں۔۔۔ فوری فائدہ دیکھتے ہیں، یہاں پورا جو ہے، جنرل باڈی کا رہتا ہے، یونانی کے اندر کام کیا جاتا ہے۔۔۔

تو یہ۔۔۔ یہ فرق ایک، ایک بہت بڑا فرق ہے کہ آپ کی دوائیاں جو ہیں وہ جڑ سے ہی چیزوں کو نکال رہی ہیں۔۔۔

ہاں، ہاں، ہاں، جو نیچرل ہے، اس میں آرٹیفیشیل کا مقابلہ کر ہی نہیں سکتے ہیں وہ۔۔۔ جو نیچرل نے ہمیں دیا ہوا ہے وہ۔۔۔

یہ بتائیں کہ آپ کی اتنے سالوں کی پریکٹس ہے، آپ، قسم قسم کے مریض آپ کے پاس آتے ہونگے، کوئی ایسا دلچسپ واقعہ، یا واقعہ کوئی۔۔۔

ہوں۔۔۔

جو آپ کے ذہن میں ہو، کہ بہت ہی بری حالت میں کوئی آیا ہو اور آپ نے اسے ٹھیک کیا ہو۔۔۔

ہوں۔۔۔

اور اب آپ کا وہ شکریہ ہر موقع پر ادا کرتا ہو۔۔۔ ایسا کچھ یاد پڑتا ہے؟ ہے؟

ہاں۔۔۔

کچھ یاد پڑتا ہے؟

ایک ایسا مریض یہاں پہ تھا، مطلب اس کو پتھری تھی گرد کی تھی، اچھا سفدر جنگ ہاسپٹل میں تھا۔۔۔ انہوں نے ان میں بیڈ خالی نہیں تھے، انہوں نے دو مہینے کا ٹائم دیا تھا اسے۔۔۔ کڈنی کی پتھری تھی، گرد کی۔۔۔ تو ہمارے پاس آیا، چلو ہم یہاں دیکھ لیں اس کو۔۔۔ ہم نے جو ہے جڑی بوٹیوں سے اس کا علاج کیا۔۔۔ اس میں جو ہے پتھری تو ہوتا ہے یونان مہترے احساس اور اس کے اندر پرانے میں کلتھی ہے اور اس، یہ جو یاہودی ہے، سنگ سر ماہی ہے، اس قسم کی، اس کا علاج کیا۔۔۔ اس کے بعد پندرہ دن میں، پندرہ بیس دن کے اندر، جب وہ وہاں پہ دوبارہ انہوں نے ایکس۔۔۔ رے کرایا تو ڈاکٹروں نے مجھ سے کہا کہ بالکل صاف ہو چکی تھی پتھری۔۔۔

ایک رتی نہیں؟۔۔۔

ہاں؟

ایک۔۔۔

ایک، بالکل نہیں، بالکل صاف ہو گئی تھی، انہوں نے توڑ کے نکال کے، پورا آپریشن، ایک طرف توڑنے کی دوا دیتے ہیں، ایک طرف ڈائیبیٹک، پیشاب لانے والی دوا۔۔۔ تو اس سے جو ہے ریزہ ریزہ ہو کے نکل جاتی ہے۔۔۔ تو اصل میں جتنی محنت اس پہ ایلوپیتھی سے زیادہ یونانی میں کی جائیگی، تو اس کا رزلٹ سو فیصد ہوگا۔۔۔ اور یہ بہت عرصے سے تجربات ہوتی آئی ہیں۔۔۔

## Urdu Vocabulary

Pulse	نبض
Preference, choice	ترجیح
Medicines	دوائیاں
Native	دیسی
Herbs, plants	جڑی بوٹیاں
	کچلا
	جوہر
Dog's bane	ازراقی
Ayurvedic	آیرویدک
Use	استعمال
Ailment	مرض
Cure, remedy, treatment	علاج
In a low dosage	ہلکی مقدار میں
Experience	تجربہ
Unani thrived on its own art	یونانی اپنے فن کے اوپر زندہ رہی

Advantage, benefit, gain, profit, use	فائدہ
Some are cold	کچھ ٹھنڈے ہوتے ہیں
Some are hot	کچھ گرم ہوتے ہیں
	ٹھنڈے کی اس میں گرم دوائیاں
	اسرول
Unani	یونانی
Invent	ایجاد
The elephant that became crazy	ہاتھی جو پاگل ہو جاتے تھے
After wetting it	بھگو کے
Juice	رس
	حبّ دوا شفی
	ہموزن
	مرسیا
Black pepper	کالی مرچ
	اسرول
In equal quantities	برابر کی مقدار میں
Use	استعمال
	نسیا
Quantity	تعداد
Madness, insanity	جنون
	یونانی مانیتا
Translation	ترجمہ
Until	حتیٰ
Series of English medications	انگریزی دواؤں کا جو سلسلہ ہے
Little, slightly	تھوڑا تھوڑا
Slow	آہستہ
Becomes right/better	صحیح ہو جاتا ہے
Immediately	فوری طور پر
Loss	نقصان
	انجبار
Constipation	قبض

	آنتوں پہ
	میدے پہ
On the mind	دماغ پہ
	گردے پہ
Expertise	مہارت
	مدّ نظر
Root	جڑ سے
Patient	مریض
	پتھری
Kidney	گردے کی
With herbs	جڑی بوٹیوں سے
	یونان مفتر احساس
	کلّھی
	ہابودی
	سنگِ سرِ ماری
	ایک رتی نہیں
Quite clean, clear	بالکل صاف
	تورنے کی دوا
Medicine that facilitates urination	پیشاب لانے والی دوا
	ریزہ ریزہ ہو کے
Hard work	محنت
One hundred percent	سو فیصد
Experience [that comes] with age	عمر سے تجربات

## Urdu Question

حکیم صاحب آخر میں کس قسم کے مریض کا ذکر کرتے ہیں؟

- 1 قبض کے مریض
- 2 شوگر کے مریض
- 3 پتھری کے مریض
- 4 بیلیا کے مریض